मुक्तस्वाध्यायपीठम्
(Institute of Distance Education)

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
५६-५७, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नवदेहली-११० ०५८

प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Course in Prakrit)

प्रदत्तकार्यम् (Assignment)

2021-22

पत्रम् - ..... विषयः - .....

अध्येतुः नाम - ..... पञ्जीकरणसंख्या - .....

अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकाप्रेषणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा उत्तराणि विलिख्य एतत्पुस्तिकाप्रत्यर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येतुः हस्ताक्षरम्

मूल्याङ्कनकर्तुः नाम - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा एतत्पुस्तिकाप्राप्तिदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्त्रा मूल्याङ्कनानन्तरं संस्थाने समर्पणदिनाङ्कः - .....

अध्येत्रा प्राप्ताङ्काः -

प्रथमं प्रश्नपत्रम्	निर्धारिताङ्काः	प्राप्ताङ्काः
I.	05 x 02 = 10 अङ्काः	
II.	02 x 05 = 10 अङ्काः	
III.	01 x 10 = 10 अङ्काः	
	पूर्णाङ्काः 30	प्राप्ताङ्काः .....

मूल्याङ्कनपुरस्सरं परामर्शैः सह अध्येतुः कृते एतत्पुस्तिकायाः पुनःप्रेषणदिनाङ्कः - .....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

स्थानम् – .....
दिनाङ्कः – .....

अध्येतुः कृते परामर्शाः,

प्रिय अध्येता ! भवता/भवत्या पूरितं प्रदत्तकार्यम् अवलोकितम्। मूल्याङ्कनं कृतम्। मूल्याङ्कनस्य आधारेण कुत्र कुत्र भवदीयः दोषः/लोपः/विस्मृतिः/भ्रान्तिः अभवत् इति ज्ञात्वा स्वाध्यायं पुनः प्रवर्तयतु। शुभकामनाः।।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

मूल्याङ्कनकर्तुः हस्ताक्षरम्

दिनाङ्कः .....

© मुक्तस्वाध्यायपीठम्, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली, २०२१-२२

प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र

पूर्णाङ्काः - 100

निर्देशाः– सभी प्रश्न अनिवार्य है। यह प्रश्न पत्र 100 अंकों का है। इस प्रश्न पत्र में कुल तीन खण्ड है। (क) अति लघुत्तरीय बीस (20), (ख) लघुत्तरीय आठ (8) एवं (ग) दीर्घउत्तरीय दो (2)

खण्ड- क (अति-लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं बीस प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **20 x 2 = 40**

1. भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में कितने प्राकृतों का उल्लेख किया है? लिखिए।
2. मागधी प्राकृत की विशेषताएं लिखिए।
3. शाकारी प्राकृत की विशेषताओं को लिखिए।
4. प्राकृतसर्वस्व के अनुसार प्राकृत को कितने भागों में विभक्त है?
5. भरतमुनि कृत नाट्यशास्त्र के किन अध्यायों में प्राकृतों का वर्णन किया है? लिखिए
6. महाराष्ट्री और शौरसेनी प्राकृतों में पांच अन्तर लिखिए।
7. गउडवहो काव्य के लेखक और उनका समय लिखिए।
8. वर्षा ऋतु की दो उपमाएं पठितांश के आधार पर लिखिए।
9. आगमिक प्राकृत पर टिप्पणी लिखिए।
10. प्राकृत प्रकाश में कितने अध्याय हैं और कितने सुत्र हैं? लिखिए?
11. प्राकृतों के पर्यायवाची नाम लिखिए।
12. अशोक के कितने धर्मलेख हैं? उनकी भाषा और लिपि क्या है?
13. शौरसेनी प्राकृत में अनुदित पाँच ग्रन्थों के नाम और उनके रचनाकार का नाम लिखिए।
14. श्वेताम्बर आगमों की संख्या लिखिए।
15. 'प्राकृत जनसामान्य की भाषा है' स्पष्ट करें।
16. लीलावईकहा के कर्ता का नाम और समय लिखिए।
17. उद्योतन सूरि कृत कुवलयमालाकथा के अनुसार कथा के भेद लिखिए।
18. 'सयलाओ इमं वाआ विसंति एत्तो य णेंति वायाओ।

    एंति समुद्दं चिय णेंति सायराओ च्चिय जलाइं।।' गाहा का भावार्थ लिखिए।
19. काव्य की परिभाषा देते हुए प्राकृत के पांच काव्य ग्रन्थों के नाम लिखिए।
20. 'पढमहत्थालीम्बो, महुमहदंसणजहोग्गं, गगनसमुद्दम्मि, ससिबिम्ब, पज्जत्तकमलगंध, उअयाअंबा' प्राकृत शब्दों का अर्थ लिखिए।
21. मानव जीवन में सुभाषितों का महत्व लिखिए।

22. मगण अठगिओ शेठो सचण चउरि पद।

विरकु शेठो धमण प्रण-भुदण चखुम। यह गाथा किस प्राकृत में लिखी गयी है।

23. साहसी बालक कथा का उद्देश्य लिखिए।

24. हनुमत् जन्म का वृतान्त लिखिए।

25. पठितांशानुसार कल्याणमित्र का लक्षण लिखिए।

खण्ड- ख (लघु उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5 x 8 = 40**

1. संक्षेप में प्राकृत के भेदोपभेदों का विवेचन कीजिए।

2. पठितांशानुसार अर्धमागधी की स्थिति स्पष्ट कीजिए।

3. प्राकृत काव्यों में आगत सुभाषितों का महत्व सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए।

4. सो अत्थो जो हत्थे तं मित्तं जं णिरंतरं वसणे।

तं रूअं जत्थ गुणा तं विण्णाणं जहिं धम्मो।। गाथा का अर्थ कीजिए।

6. प्राकृत धम्मपद का वैशिष्ट्य संक्षेप में लिखिए।

7. अमांगलिक पुरूष कथा की समीक्षा कीजिए ।

8. पठितांश के आधार पर प्राकृत नाट्यांश का विवेचन कीजिए।

खण्ड- स (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2 x 10 = 20**

1. भारतीय भाषा परिवार में प्राकृत की स्थिति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

2. प्राकृत अध्ययन-अध्यापन की वर्तमान में उपयोगिता विषय पर स्वमत लिखिए ।

3. प्राकृत कथा साहित्य के महत्ता पर निबंध लिखिए।

4. संस्कृत लक्षण ग्रंथों में प्राकृत साहित्य की उपादेयता सिद्ध कीजिए ।